

# वर्ल्ड फूड इंडिया 2023

# प्रलिम्सि के लयि:

खाद्य सुरक्षा, कृषि विपणन, बीज पूंजी सहायता, फूड स्ट्रीट, फूड बास्केट ऑफ द वर्ल्ड, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस , स्वयं सहायता समृह

#### मेन्स के लिये:

आर्थिक वृद्धि और विकास पर भारत के खाद्य प्रसंस्करण का महत्त्व और क्षमता

सरोत: पी.आई.बी.

## चर्चा में क्यों?

'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन हाल ही में नई दलिली में किया गया, जहाँ भारत के प्रधानमंत्री नेरक लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह (SHG) सदस्यों को बीज के लिये आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

■ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने वर्ष 2017 में वर्ल्ड फूड इंडिया का पहला संस्कर<mark>ण लॉ</mark>न्च किया

#### वर्ल्ड फूड इंडिया 2023:

- परचिय:
  - ॰ वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 <u>भारतीय खाद्य अर्थव्यवस्था</u> का प्रवेश द्वार है, जो भारतीय और विदेशी नविशकों के बीच साझेदारी की सुविधा प्रदान करता है।
  - यह वैश्विक खाद्य पारिस्थितिकि तंत्र के निर्माताओं, उत्पादकों, खाद्य प्रसंस्करणों, निविशकों, नीति निर्माताओं और संगठनों का एक अद्वितीय सम्मेलन होगा।
- शुभंकर:
  - मिलइंड (एक प्रोबोट) वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 का शुभंकर है।



//

#### प्रमुख आधार:

- ॰ श्री अन्न (बाजरा): विश्व के लिये भारत के सुपर फूड का लाभ उठाना।
  - जलवायु परविर्तन, जनसंख्या वृद्धि और कुपोषण जैसी वैश्<mark>विक चुनौतियों के सामने बाजरा खाद्य सुरक्षा, <u>पोषण सुरक्षा</u> एवं स्थरिता को बढ़ा सकता है।</mark>
  - संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष (IYM 2023) घोषति किया है।
- ॰ घातीय खाद्य प्रसंस्करण: भारत को वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना।
  - इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिये भारत अपने उन समर्थकों को बढ़ावा देने का इरादा रखता है जो उसके खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को समर्थन और गति प्रदान कर सकें।
  - प्रमुख समर्थकों में से एक है कृषि खाद्य मूल्य शृंखलाओं का वित्तपोषण करना <u>और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, विशेष रू</u>प से <u>संकष्म, लघ एवं मध्यम उदयमों (MSME)</u> को पर्याप्त एवं किफायती ऋण प्रदान करना ।

### खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की वर्तमान स्थतिः

- सूर्योदय क्षेत्रः
  - ॰ वर्ल्ड फूड इंडिया के परिणामों के का<mark>रण खाद्य प्</mark>रसंस्करण क्षेत्र को मान्यता मिली, जिस प्रायः 'सनराइज़ सेक्टर' कहा जाता है।
  - ॰ पछिले नौ वर्षों में सरकार की उद्<mark>योग-अनुकूल</mark> और किसान-केंद्रित नीतियों की बदौलत इस क्षेत्र ने **50,000 करोड़ रुपए** से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है।

#### Indian Food Processing Industry GOVERNMENT CAPACITY GROSS INVESTMENTS **EXPORTS** INITIATIVES BUILDING VALUE Seed capital to Share of India's food Gross value India's food over 1.25 lakh addition of processed processing processing self-help foods in the food sector has capacity groups in last 9 India's increasing processing attracted vears agricultural Government from 12 lakh sector has foreign projects and exports has metric surged from direct initiatives have ₹1.34 lakh investment grown from tonnes to impacted of more 13% in 2013more than crores in approximately 14 to 23% in 200 lakh 2014-15 to than Rs 32 lakh farmers 2023 and generated metric ₹2.08 lakh 50,000 9.75 lakh direct tonnes in crores in crores in last and indirect last 9 years 2021-22. 9 years employment opportunities

- उतपादन आधारित परोतसाहनः
  - ॰ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में **प्रोडकशन-लिकड इंसेंटवि (PLI)** योजना के तहत हुई प्रगति ने नए आयाम खोले हैं।
    - एग्री-इंफ्रा फंड के तहत चल रही विभिन्न परियोजनाएँ, फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढाँचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए 50,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवश के साथ इस क्षेत्र के लिये व्यापक संभावनाएँ रखती हैं।
    - मतसयपालन और पशुपालन क्षेत्र में **प्रसंस्करण बुनियादी ढाँचे** में हज़ारों करोड़ रुपए के नविश को प्रोत्साहति किया जाता है।
- अन्य सरकारी पहल:
  - कुष-निरयात नीति का निर्माण
  - ॰ राषटरवयापी रसद और बनियादी ढाँचे का विकास
  - o ज़िला-स्तरीय केंद्ररों की स्थापना
  - ॰ मेगा फुड पारक का वसितार
  - ॰ परधानमंतरी कसािन संपदा योजना
  - सकष्म खाद्य प्रसंसकरण उद्यम योजना का PM औपचारिकरण

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

#### <u>?!?!?!?!?!?!?!?:</u>

प्रश्न.1 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन का एक उद्देश्य देश के चिन्हित ज़िलों में क्षेत्र विस्तार एवं उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से विशेष फसलों के उत्पादन को स्थायी तरीके से बढ़ाना है। वे कौन सी फसलें हैं? (2010)

- (a) केवल चावल और गेहूँ
- (b) केवल चावल, गेहँ और दालें
- (c) केवल चावल, गेहूँ, दालें और तलिहन
- (d) चावल, गेहुँ, दालें, तलिहन और सब्जयाँ

#### उत्तरः (b)

प्रश्न. निम्नलखिति में से कौन-सा देश पिछले पाँच वर्षों के दौरान विश्व में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है? (2019)

- (a) चीन
- (b) भारत (c) म्याँमार
- (d) वयितनाम

उत्तर: (b)

## ?!?!?!?!

प्रश्न. प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डी.बी.टी.) द्वारा कीमत सहायिकी का प्रतिस्थापन भारत में सहायिकयों के परिदृश्य का किस प्रकार परिवर्तन कर सकता है? चर्चा कीजिये। (2015)

